

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३95]

मई विल्ली, मंगलवार, विसम्बर 13, 1977/ग्रग्नहायण 22, 1899

No. 395]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 13, 1977/ACRAHAYANA 22, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलम के स्वय में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATIONS

#### Customs

New Delhi, the 13th December 1977

GSR 739(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts rhodium electroplating salt and rhodium electroplating replenisher salt, falling within Chapter 28 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) when imported into India for the manufacture of reed relays, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 45 per cent ad valorem.

Provided that the importer, by execution of a bond in such form and in such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay, on demand, in respect of such quantity of the rhodium electroplating salt and rhodium electroplating replenisher salt in question as is not proved to the

satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the manufacture of reed relays an amount equal to the difference between the duty which would have been leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that paid at the time of importation

[No 253/F No S/15/77-TRU(Cus)]

विस मंत्रालय (राजस्य विभाग)

**ग्रधिम्**चनाग

सोमा-ज्रहरू

नई दिस्ती, 13 दिसम्बर, 1977

सा का कि 739 (श्र) — केन्द्रीय सरकार, सीमा मुल्क ग्रिश्वित्यम. 1962 (1962 का 52) की धारा 25 को उन्धारा (1) द्वारा अदल मित्रत्यों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में ग्रावण्यक है सीमा-मुल्क टैरिफ ग्रिश्वित्यम. 1975 (1975 का 51) को प्रथम ग्रन्थूची के ग्रध्याय 28 के ग्रन्तर्गत सम्मिलित रोडियम इलेक्ट्रोप्लेटिंग साल्ट ग्रीर रोडियम 'लेक्ट्रोप्लेटिंग रिप्लेनिंगर साल्ट ग्री, तब जब भारत में उस का ग्रायात रीड स्लि के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त प्रथम ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणींग सीमा-मुल्क के उनने भाग से छूट देती है जो मूल्य का 45 प्रतिमत्त से ग्रिधिक हो :

परन्तु यह तब जब ग्रायातकर्ता सीमा-णून्य सहायक कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप मे ग्रौर राशि का बन्धपल निष्पादित करके स्वय को इस बात के लिए ग्राबद्ध करना है कि वह प्रभागन रोडियम इलेक्ट्रोप्लेटिंग साल्ट ग्रीर रोडियम इलेक्ट्रोप्लेटिंग रिप्लेनिशर साल्ट की ऐसी माला पर, जिस की बाबत सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप स यह साबित नहीं किया गया है कि वह रीड रिले के विनिर्माण के लिए प्रयोग में लाया गया है, माग किए जाने पर उत्नी रकम का भुगतान करगा जो इस श्रिधस्वना में दी गई छूट के न दिए जाने की दशा में उस पर उद्ग्रहणीय शुल्क ग्रीर ग्रायातकरण के समय सन्दन्त शुल्क के ग्रन्तर के बराबर हो।

[म॰ 253-फा॰स॰ एस/15 77-टी॰ स्रार॰ १० (सीमा माल्क)]

- G.SR 740(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts infra red absorbing glass tube, falling within Chapter 70 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of reed relays, from—
  - (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 45 per cent ad valorem; and
  - (b) from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act

Provided that the importer, by execution of a bond in such form and in such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay, on demand, in respect of such quantity of the infra red absorbing glass rube in question as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of

Customs to have been used in the manufacture of reed relays an amount equal to the difference between the duty which would have been leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that paid at the time of importation.

[No. 254/F No. S/15/77-TRU(Cus)]

सा० का० नि० 740(इ). — केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान ही जाने पर कि लोकहित मे ऐसा करना ध्रावश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ ग्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम ग्रनुसूची के ग्रध्याय 70 में सम्मिलित ग्रवरक्त ग्रवशोषक (इन्फा र्यंड एवजोर्गिक्ग) शोगे की ट्युंबों को, तब जब रीड रिले के विनिर्माण के लिए भारत में उन का ग्रायात किया जाए. ——

- (क) उक्त प्रथम अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय सीमा-मुल्क के उतने भाग से छुट देती है जो मृल्य का 45 प्रतिशत से मधिक हो, और
- (ख) सीमाणुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उस पर उदग्रहणीय समस्त ग्रतिरिक्त शुल्क से छूट देती है

परन्तु यह तब जब ग्रायानकर्ता मीमा-शुर्क सहायक कलक्टर द्वारा विहित प्रक्रप में ग्रीर राणि का बन्धपत्र निष्पादित कर के स्वयं को इस बात के लिए ग्राबद्ध करता है कि वह प्रश्नगत ग्रवरक्त ग्रवशोषक (इस्का रयड एक्जोर्रावग) गीगों की ऐसी मावा पर, जिस की बाबत सीमा-शुर्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि वह रीड रिले के विनिर्माण के लिए प्रयाग में लाया गया है, माग किए जाते पर उत्तिनी रक्षम का भूगतान करेगा जो इस ग्रधिसूचना में दी कई खूट के न दिये जात की देणा में उस पर उद्ग्रहणीय शुर्क ग्रीर ग्रायानकरण के समय सदत शुर्क के ग्रायर के बराबर हो।

[स॰ 254 फा॰ सं॰ एस/15, 77-टी॰ स्नारः यु॰ (संभा-शुल्क)]

GS.R 741(E)—In exercise of the powers conterred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 3 of the Finance Act 1977(11 of 1977), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following furths amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No 123-Customs dated the 1st July, 1977, namely:—

In the Schedule annexed to the said notification, after Serial No. 16.° and the entries relating thereto the following shall be inserted namely:—

"164. No. 253-Customs, dated the 13th December, 1977.

1º5 No. 254 Customs dated the 1ºth December 1977"

[No 255/F No S/15/77-TRU(Cus)]

JOSEPH DOMINIC, Under Secy

सा० का० नि० 741(भ्र) — केन्द्रोय सरवार विच प्रधिनिमय, 1977 (1977 का 11) को धारा 3 की उपवारा (4) के माथ पठित, सीमा-णुल्क प्रधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदच्च शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना प्रावण्यक है, भारत सरकार के राजस्व श्रीर बैं किंग विभाग की

भ्रधिसूचना स॰ 123--सीमा-णुल्क, तारीख 1 जुलाई, 1977 मे निम्नलिखित संगोधन करती है. भ्रथीत् ---

उक्त श्रधिसूचना से उपाबद्ध श्रनुसूत्री में, क्रम स० 163 श्रौर उस से सबधित श्रविध्टियों के पृश्चात् निम्नलियिन स्रत स्थापित किया जाएगा, स्थात् —

"164. स॰ 253-सोमा-गुल्क, तारीख 13-12-1977 । 165 स॰ 254-सोमा-गुल्क तारीख 13-12-1577 ।"।

> [स॰ 255/फा॰ स॰ एस/15/77-टी॰ ग्रार॰ यू॰ (सीमा-शुरुक)] जोसेफ डोमिनिक ग्रवर सचिव।